सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 37 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 9 मार्च, 2022
मूल्य ₹ 3/-

यदि आप सौ लोगों को नहीं खिला सकते तो एक को ही खिलाइए।
-मदर टेरेसा

एग्जिट पोल से अलग होंगे परिणाम... 2 | यूपी के रण में खूब चली जुबानी... 3 | केंद्रीय बल के पहरे में होगी... 7

मतगणना से पहले ईवीएम पर बवाल

स्ट्रांग रूम के सामने सपा कार्यकर्ताओं ने डाला डेरा

» दिन-रात कर रहे निगरानी सपा प्रमुख अखिलेश यादव के आह्वान पर कार्यकर्ता मुस्तैद

» कहा, ईवीएम में हेराफेरी कर सकता है प्रशासन बांदा में अधिकारियों से नोक-झोंक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव की मतगणना से ठीक पहले ईवीएम को लेकर बवाल हो गया है। वाराणसी सहित कई स्थानों पर सपा ने ईवीएम बदलने के आरोप लगाए हैं। इस पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने न केवल गंभीर सवाल उठाए बल्कि कार्यकर्ताओं से ईवीएम की रखवाली के लिए मुस्तैद होने की अपील की। सपा प्रमुख की अपील के बाद कार्यकर्ताओं ने विभिन्न जिलों में बने ईवीएम स्ट्रांग रूम के सामने डेरा डाल दिया है। कार्यकर्ता दिन-रात निगरानी में जुटे हैं। इस दौरान उनकी अधिकारियों से नोकझोंक भी हुई। हालांकि ईवीएम की निगरानी पहले से पुलिस व पैरामिलिट्री फोर्स कर रही है।

वाराणसी : सिंबल लोडिंग मशीन और चिप की होगी जांच

वाराणसी। जिले में ईवीएम पर मचा तूफान भले आधी रात के बाद थम गया हो लेकिन अभी भी इस मामले में चिंगारी सुलग ही रही है। रात में पथराव और लाठी चार्ज के बाद भी सपा और सुभासपा कार्यकर्ताओं को समझाने में जहां प्रशासन को नाकों चने चबाने पड़े वहीं परिसर में दवाओं के पैकेट में मिले सिंबल लोडिंग मशीन और चिप को लेकर आज दोपहर दोबारा नेताओं और प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे। प्रत्याशियों के सामने ही प्रशासन इनकी जांच कराएगा।

मिर्जापुर में हंगामा

सपा कार्यकर्ता बोले स्ट्रांग रूम से आ रही बीप की आवाज

लखनऊ। मिर्जापुर के बथुआ स्थित पॉलिटेक्निक में बने स्ट्रांग रूम के सामने देर रात निगरानी के लिए मौजूद सपा कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया। उनका आरोप है कि रात में स्ट्रांग रूम के अंदर से बीप की आवाज आ रही थी। सूचना पर एसपी सिटी संजय कुमार वर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि जिस कमरे से बीप आने की आवाज का दावा किया जा रहा है उसमें ईवीएम को रखा ही नहीं गया है। सपा प्रत्याशी और कार्यकर्ताओं ने पर्यवेक्षक को बुलाकर ईवीएम की जांच कराने की मांग की।

कल होगी मतगणना

मैनपुरी में ड्रोन से निगरानी

आगरा। मैनपुरी में मतगणना स्थल पर सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। पूरे क्षेत्र को सीसीटीवी से लैस किया गया है। इसके साथ ही ड्रोन के जरिए निगरानी शुरू कर दी गई है। भारी संख्या में सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है। आलाधिकारी भी सुरक्षा इंतजामों पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। यहां करहल विधान सभा सीट पूरे प्रदेश में हॉट सीट के रूप में देखी जा रही है क्योंकि सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सामने भाजपा से केंद्रीय कानून राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल मैदान में हैं। मतगणना दस मार्च यानी कल होगी।

कई जिलों में ईवीएम व बैलेट वोट में कथित गड़बड़ी के आरोपों के बीच सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे लगातार मतगणना स्थल पर बने रहें और निगरानी करते रहें और स्वयं अपने वोट की सुरक्षा करें। उनकी अपील के बाद कार्यकर्ता मुस्तैद हो गए। बरेली में उत्तर प्रदेश राज्य भंडारण निगम के गोदाम में बनाए गए स्ट्रांग रूम में ईवीएम रखी गई है। यहां पर एक तरफ जहां पुलिस फोर्स और पैरामिलिट्री फोर्स के जवान स्ट्रांग रूम की रखवाली के लिए तैनात किये गए हैं. वही सपा कार्यकर्ता भी पूरी रात स्ट्रांग रूम की रखवाली करते रहे। बांदा में देर रात बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता मतगणना स्थल पहुंचे। यहां उनकी पुलिस अधिकारियों से तीखी नोकझोंक हुई। इसके अलावा कानपुर, इटावा, बाराबंकी, गोरखपुर, फतेहपुर, सोनभद्र और फिरोजाबाद समेत कई जिलों में पूरी रात सपा कार्यकर्ता डटे रहे। कार्यकर्ताओं को हिदायत गई है कि मतगणना पूरी होने तक डटे रहें।

यूक्रेन के सूमी शहर पर हवाई हमला, रूस पर और बढ़ीं पाबंदियां

» तीन बच्चों समेत 22 की मौत, अन्य शहरों पर भी गोलाबारी

» ब्रिटेन ने रूस पर लगाए नए विमानन प्रतिबंध, पेप्सिको ने रोकी अपने उत्पादों की बिक्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध का आज 14वां दिन है। रूस ने यूक्रेन पर हमले तेज कर दिए हैं। कई शहरों में हवाई हमले को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। द कीव इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक रूस ने सूमी शहर पर हवाई हमला किया, जिसमें तीन बच्चों समेत 22 लोगों की मौत हो गयी है। हमलों के कारण लाखों लोग पलायन कर गए हैं। वहीं पश्चिमी देश रूस पर प्रतिबंध बढ़ाते जा रहे हैं। ब्रिटेन ने रूस के खिलाफ नए विमानन प्रतिबंधों की घोषणा की जबकि पेप्सिको ने रूस में पेप्सी-कोला और अन्य वैश्विक पेय ब्रांडों के उत्पादन और बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगा दी है।

रूस के यूक्रेन पर हमले जारी है। कीव और उसके आसपास के इलाके में आज भी हवाई अलर्ट घोषित किया गया है। वहीं ब्रिटेन ने रूस के खिलाफ नए विमानन प्रतिबंधों की घोषणा की है। रायटर के अनुसार प्रतिबंध में रूस या नामित व्यक्तियों या संस्थाओं से जुड़े किसी भी व्यक्ति के स्वामित्व, संचालित या चार्टर्ड विमान शामिल हैं और इसमें रूस से जुड़े व्यक्तियों के स्वामित्व वाले किसी भी विमान को रोकने की शक्ति शामिल है। वहीं कोका-कोला कंपनी ने कहा है कि हमारा दिल उन लोगों के साथ है, जो यूक्रेन में इन दुखद घटनाओं से अचेतन प्रभाव झेल रहे हैं।

जेलेंस्की ने नाटो में शामिल होने की छोड़ी जिद

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के तेवर नरम होते नजर आ रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा कि उनका देश नाटो में शामिल होने पर जोर नहीं देगा। उन्होंने यह भी कहा, नाटो उन्हें अब नहीं चाहता। साथ ही उन्होंने दोनेस्त्क और लुहांस्क समझौते पर भी विचार के संकेत दिए हैं। रूस का स्पष्ट कहना है कि उनकी कुछ मांगें हैं जिन्हें यूक्रेन मान लेता है तो सैन्य कार्रवाई बिना देर किए रोक दी जाएगी। रूस ने कहा है कि यूक्रेन अपने संविधान में बदलाव कर ये स्पष्ट करे कि वह किसी गठबंधन का हिस्सा नहीं बनेगा। साथ ही यूक्रेन 2014 में रूस में शामिल अपने हिस्से क्रीमिया को रूसी क्षेत्र की मान्यता दे और दोनेत्स्क और लुहांस्क की स्वतंत्र क्षेत्र की स्थिति को भी मान्यता दे।

प्रमुख सचिव डीएम को फोन कर रच रहे हैं षड्यंत्र : अखिलेश

» मतगणना में गड़बड़ी कराने की आशंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मतगणना में धांधली की आशंका जताई है। वाराणसी, सोनभद्र, बरेली सहित कई स्थानों पर ईवीएम पकड़े जाने का आरोप लगाया है। यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव जिलाधिकारियों को फोन कर आदेश दे रहे हैं कि जहां भाजपा प्रत्याशी हार रहे हों अथवा पांच हजार से कम अंतर हो तो वहां वहां धीमी गति से गणना कराई जाए। ताकि रात होने पर गड़बड़ी करने का पर्याप्त समय मिल जाए। उन्होंने दावा किया कि सीएम के प्रमुख सचिव की हरकत का उनके पास पुख्ता सबूत हैं। चुनाव आयोग ने सबूत मांगा तो उसे उपलब्ध कराएंगे।

अखिलेश बोले लखनऊ में एडीएम की गाड़ी में पेचकस सहित अन्य सामग्री पकड़ी जा चुकी है। चुनाव आयोग की नियमावली है कि किसी कारणवश ईवीएम की शिफ्टिंग होगी तो सभी दलों के प्रत्याशियों को सूचना दी जाएगी। सभी की सहमति पर फोर्स के साथ ईवीएम का स्थानांतरण किया जाएगा, लेकिन वाराणसी सहित अन्य जिलों में प्रत्याशियों को सूचना तक नहीं दी

गई। इससे साफ है कि सरकार जानबूझ कर बेईमानी पर उतारू है। उन्होंने सवाल किया कि जब तीन वाहनों में लादकर ईवीएम को ले जाना चोरी नहीं है तो फिर दो वाहनों को भगाया क्यों गया, सरकार इसका जवाब दे। सपा अध्यक्ष ने कहा कि मतदान के रूझान देखने के बाद भाजपा में हताशा और निराशा है। सपा अध्यक्ष ने दावा किया कि अयोध्या, वाराणसी दक्षिण सहित तमाम सीटों पर भी सपा को व्यापक जनसमर्थन मिला है। ऐसे में सरकार के इशारे पर कुछ अधिकारी षडयंत्र रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि वाराणसी के जिलाधिकारी पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। वहां के डीएम और कमिश्नर पहले भी संदेह के घेरे में रहे हैं। अधिकारियों की करतूत की वजह से कहीं कानून व्यवस्था प्रभावित हुई तो इसके लिए सरकार जिम्मेदार होगी। सपा अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव केदौरान कई जगह वरिष्ठ अधिकारियों की मनमानी पकड़ी गई। चुनाव आयोग से लगातार शिकायतें की गईं, लेकिन चुनाव आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की। ओम प्रकाश राजभर और स्वामी प्रसाद मौर्य पर हमले के मामले में भी आयोग अभी तक कार्रवाई नहीं कर पाया है। करहल में भाजपा प्रत्याशी ने खुद अपनी गाड़ी तोड़ी। इसके सबूत देने के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। आयोग को हर शिकायत लिखित में की जा रही है। ईवीएम पकडने के मामले में भी की जाएगी। इसके बाद भी कार्रवाई नहीं हुई तो पार्टी नेताओं से बात कर अगला कदम उठाया जाएगा। जरूरत पड़ी तो कोर्ट भी जाएंगे।

एग्जिट पोल गलत साबित हुए तो अखिलेश होंगे अगले सीएम

» दो सर्वे का अनुमान सरकार बनाने में सफल होंगे अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में मुख्यमंत्री की सीट पर कौन बैठेगा, इसका फैसला दस तारीख को होगा। इस चुनाव में भाजपा और समाजवादी पार्टी में सीधी टक्कर देखने को मिली। 2022 का विधानसभा चुनाव कई मायनों में खास रहा है। इस बार नेताओं ने एक दूसरे पर सीधे और तीखे हमले किए। वहीं

यूपी 403 DESHBANDHU	BJP+	SP+	BSP	CONG	OTH
	134-150	228-244	10-24	01-09	0-6

समाजवादी पार्टी ने भाजपा को किसानों, बेरोजगारी और महंगाई समेत कई मुद्दों पर घेरा। एग्जिट पोल में से अधिकांश का अनुमान है की यूपी में योगी आदित्यनाथ एक बार फिर से सत्ता संभालेंगे।

वहीं दो एग्जिट पोल ऐसे भी आए हैं जिनका मानना है कि सूबे की जनता ने अखिलेश पर भरोसा जताया है। सात चरणों में हुए मतदान को लेकर 12 न्यूज चैनलों और एजेंसियों ने एग्जिट पोल जारी किए। इनमें सो दो एग्जिट पोल का मानना है कि इस बार यूपी की सत्ता समाजवादी पार्टी संभालेगी। देशबंधु के एग्जिट पोल में कहा गया है कि समाजवादी पार्टी अपने गठबंधन दलों के साथ सरकार बनाएगी। 4 पीएम और द पॉलिटिक्स डॉट इन का भी अनुमान है कि अखिलेश यादव सरकार बनाने में सफल होंगे। अनुमान है कि सपा को 238 सीटें मिलेंगी जबकि भाजपा 157 सीटें पर ही सिमट कर रह जाएगी। देशबंधु का सर्वे समाजवादी पार्टी को 228 से 244 सीटें मिलने का दावा कर रहा है। जबकि भाजपा को अधिकतम 150 सीटें मिलती ही दिख रही हैं। इन सभी सर्वे के बीच समाजवादी पार्टी के मुखिया का दावा है कि सपा गठबंधन को 300 सीटें मिलेंगी। उन्होंने कहा सातवें चरण में सपा-गठबंधन को बहुमत से आगे ले जाने के लिए जनता का आभार। इस दौरान उन्होंने यूपी के युवाओं को विशेषरूप से धन्यवाद दिया। उधर, सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने यूपी चुनाव को लेकर आए विभिन्न चैनलों के एग्जिट पोल को भ्रामक बताया है। उन्होंने कहा कि एग्जिट पोल्स द्वारा दिखाई जा रही तस्वीर आभासी, भ्रामक और अविश्वसनीय है। जनता इसके पीछे की मंशा को बहुत अच्छे से समझ रही है। समाजवादी गठबंधन पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने जा रहा है। प्रत्याशी व कार्यकर्ता मतगणना तक सतर्क व सक्रिय रहें। निश्चय ही सफलता आपकी राह देख रही है। साथ ही राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया जयंत चौधरी का कहना है कि जब तक ईवीएम नहीं खुलती तब तक किसी को भी रिजल्ट नहीं पता हो सकता। एग्जिट पोल का एक प्रॉसेस होता है। मैंने तो एक भी पोलिंग बूथ पर किसी भी एग्जिट पोल वाले को नहीं देखा।

पिछले चुनाव के मुकाबले इस बार कम हुईं हिंसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव में इस बार पिछले चुनाव के मुकाबले कम हिंसा हुई है। पुलिस विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 2017 के चुनाव में 97 घटनाएं हुई थीं, लेकिन इस बार सिर्फ 33 घटनाएं सामने आई हैं। एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि इस बार विधानसभा चुनाव के सातों चरणों में जो घटनाएं हुई हैं, उनमें 28 चुनाव पूर्व और पांच मतदान वाले दिनों में हुईं।

2017 में 75 घटनाएं चुनाव से पूर्व हुई थीं और 22 चुनाव वाले दिनों में हुई थीं। इस बार घटनाओं में दो तिहाई की कमी आई है। उन्होंने बताया कि चुनाव के दौरान नियमों के उल्लंघन के 1339 मामलों में केस दर्ज किया गया और 412 एनसीआर दर्ज की गई। सबसे अधिक लखनऊ जोन में मुकदमे लिखे गए। चुनाव के दौरान 52.64 करोड़ से ज्यादा की नकदी के अलावा 6.66 लाख की नेपाली मुद्रा भी बरामद की गई। इसके अलावा 31.88 करोड़ 88 से ज्यादा की अवैध शराब व 42 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ भी बरामद किए गए।

एग्जिट पोल से अलग होंगे परिणाम : जयंत

» कहा हमें जनता का जबरदस्त समर्थन मिला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव में सपा के साथ गठबंधन करने वाले राष्ट्रीय लोकदल के नेता जयंत चौधरी ने विधानसभा चुनाव पर आए एग्जिट पोल पर कहा है कि चुनाव परिणाम इससे बिल्कुल अलग होंगे। यह कुछ लोगों की राय हो सकती है। हमें जनता का जबरदस्त समर्थन मिला है। जयंत चौधरी ने कहा कि मैं एग्जिट पोल के नतीजों से सहमत नहीं हूं।

इस बार जनता में सत्ता परिवर्तन का उत्साह था। मुझे लगता है कि उत्तर प्रदेश में नतीजे एग्जिट पोल से अलग होंगे। प्रदेश में गठबंधन की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि जब तक ईवीएम नहीं खुलते हैं किसी को भी परिणाम का अंदाजा नहीं होता है। एग्जिट पोल करने का एक तरीका होता है। मुझे तो बूथ के पास एक भी व्यक्ति एग्जिट पोल करने वाला नहीं मिला है। पता नहीं ये लोग कहां से आंकड़े लाते हैं। यूपी में इस बार सपा गठबंधन की सरकार बनने जा रही है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

कोई नहीं रोक पाएगा हमारा अभियान : प्रियंका

» मेहनत से लड़े चुनाव, हार-जीत तो होती रहती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कल कांग्रेस की ओर से आयोजित महिला मार्च में हजारों की तादाद में महिलाएं और लड़कियां शामिल हुईं। लखनऊ के 1090 चौराहा से शुरू हुए मार्च से पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने महिलाओं में जोश भरते हुए कहा लड़की हूं लड़ सकती हूं और कोई रोक नही पाएगा। पार्टी की ओर से विधानसभा चुनाव में जिन महिला 159 उम्मीदवारों को प्रत्याशी बनाया गया था, उनके साथ प्रियंका गांधी ने करीब दो बजे 1090 चौराहा से सिकंदर बाग चौराहा के लिए पैदल मार्च शुरू किया।

करीब 40 मिनट पैदल चलकर वह सिकंदर बाग चौराहा पहुंची और वहां पर लगी वीरांगना उदा देवी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया और कहा कि महिलाओं के हक व उनके सशक्तिकरण को लेकर उनका यह

आंदोलन लगातार चलता रहेगा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि हमने मेहनत से चुनाव लड़ा। कांग्रेस की 159 महिला प्रत्याशियों ने ईमानदारी से चुनाव मैदान में दावेदारी की। आज महिला दिवस के अवसर पर यहां उसी मेहनत का जश्न मनाने के लिए इकट्ठा हुए हैं। गोमती नगर से सिकंदराबाद चौराहे तक का करीब डेढ़ किलोमीटर का सफर प्रियंका ने 40 मिनट में तय किया। सिंकदरबाग चौराहे पर पहुंचने पर उन्होंने वीरांगना उदा देवी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, जिसके बाद मार्च समाप्त हो गया और उनका काफिला रवाना हो गया। महिला मार्च में प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू, अराधना मिश्रा, ममता चौधरी, नेटा डिसूजा, महिला कांग्रेस मध्य जोन प्रभारी विद्या नेगी, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, वेद प्रकाश त्रिपाठी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव, मुकेश सिंह सहित पदाधिकारी शामिल रहे।

यूपी के रण में खूब चली जुबानी जंग हमलों के बीच पीछे छूटते गए मुद्दे

» महंगाई के मुद्दे भी उछले पर उसकी तपिश उतना असर नहीं छोड़ पाई

» सवाल का मुकम्मल जवाब दस मार्च के बाद ही मिलेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनावी कुरुक्षेत्र शांत हो गया। जनता ने फैसला सुना दिया। अब सबकी नजरें आने वाले जनादेश पर है। नजरें उस अमृत पर है, जिसके लिए हर तरीके से पूरे प्रदेश को मथा गया। कभी हुंकार से माहौल गरमाया गया, कभी नारों से। नेपथ्य से भी ऐसे-ऐसे बोल आए, ऐसे-ऐसे तराने आए, जिसने बड़े-बड़ों को बेचैन कर दिया। कुल मिलाकर कहें तो इस बार का चुनाव जुबानी जंग के लिए भी हमेशा याद किया जाएगा। किसान, रोजगार, विकास और कानून-व्यवस्था के मुद्दों से शुरू हुआ चुनाव, तीखे बयानों की बेहद कटीली राहों से भी गुजरा।

ज्यों-ज्यों चुनावी रथ आगे बढ़ा, हमले तीखे...और तीखे होते गए। पर, बड़ा सवाल यह है कि इन सबका मतदाताओं पर कितना असर हुआ? इस सवाल का मुकम्मल जवाब तो 10 मार्च को ही मिलेगा। बहरहाल हम याद दिला रहे हैं, उन तीखे बोलों की, उन हुंकारों की जिनके असर का परीक्षण भी जनादेश निरपेक्ष रूप से करेगा। यानी परिणाम सत्ता किसके हाथ में होगी सिर्फ यही नहीं तय करेगा, बल्कि उन बोलों को भी आईना दिखाएगा। बता दें कि 10 फरवरी को यूपी चुनाव के पहले चरण का आगाज हुआ था। दूसरा चरण 14 फरवरी को था। चुनाव का आगाज पश्चिमी यूपी से हुआ तो वहां के मुद्दे भी मुख्यत: किसानों से जुड़े थे। किसान आंदोलन की तगड़ी गूंज थी। रोजगार का मुद्दा भी उठा पर सीधी टक्कर किसान आंदोलन बनाम कानून-व्यवस्था में रही। सपा-रालोद गठबंधन ने किसानों के मुद्दों को उठाने की पूरी कोशिश की जबकि भाजपा ने कानून-व्यवस्था से हुंकार भरी। महंगाई के मुद्दे भी उछले पर तीखे बयानों की बारिश में उसकी तपिश उतना असर नहीं छोड़ पाई।

बुलडोजर और ठोको नीति

विपक्ष ने बुलडोजर पर सवाल उठाए। बुलडोजर के बहाने मुख्यमंत्री को घेरने की कोशिश की। ...तो योगी ने विपक्ष के तीर को भी लपक कर बुलडोजर को अपने पक्ष में सकारात्मक रूप से पेश करना शुरू कर दिया। योगी के समर्थक उन्हें 'बाबा बुलडोजर' कहने लगे। सपा कहती रही कि इसके बहाने कुछ विशेष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। जानबूझकर चुनिंदा लोगों की संपत्ति पर बुलडोजर चलाया गया लेकिन इसको भाजपा ने अपने तरीके से इसे ध्रुवीकरण का हथियार बना लिया। इसी तरह से ठोको नीति भी इस चुनाव में खूब प्रचारित हुई।

चर्चा में रहा गर्मी निकालने वाला बयान

जिस समय मुद्दों की बात चल रही थी, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अचानक जुबानी हमले शुरू हो गए। कहानी शुरू हुई एक वीडियो से जिसमें कुछ बिगड़े बोल थे। अच्छी बॉल के इंतजार में बैठे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पर जोरदार शॉट लगाया। योगी के गर्मी निकालने के बयान से सियासी पारा चढ़ गया। बैठे-बिठाए ध्रुवीकरण के लिए भगवा खेमे को एक और हथियार मिल गया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, जयंत चौधरी ने भी इस पर तीखे पलटवार किए। इस सबसे गर्मी निकालने का मुद्दा इतना गरम हुआ कि पूरे चुनाव चला।

यूपी में का बा...सब बा

भाजपा सांसद रवि किशन के 'यूपी में सब बा' गीत के जवाब में लोक कलाकार नेहा राठौड़ के गीत 'यूपी में का बा' को इस चुनाव में जबरदस्त हिट मिले। इसे अखिलेश यादव ने हाथों हाथ लिया। यह गाना बेहद लोकप्रिय हुआ और भाजपा के लिए सिरदर्द बन गया। हालांकि, बाद में इसके अन्य भाग भी आए, पर सबसे ज्यादा हिट पहला भाग ही हुआ। हालांकि, इसकी काट और जवाब देने के लिए कवयित्री अनामिका अंबर ने 'यूपी में बाबा' को भी अच्छे ढंग से पेश किया। कई और गाने आए।

कानून-व्यवस्था और विकास

बातें कानून-व्यवस्था और विकास से शुरू हुई थीं, पर चरणवार पूरी तरह से बदलती चली गईं। छठवें और सातवें चरण तक कानून-व्यवस्था को उठाया तो गया पर तमंचावादी, जिन्नावादी जैसे बयानों ने ज्यादा उड़ान ले ली। भगवा खेमे ने बयानों की नई श्रृंखला जारी कर डाली, तो अखिलेश यादव अपने तीखे बयानों से अपने समर्थकों को रिझाने की कोशिश करते रहे। वे बोले, मैं भी नजर रखता हूं। धुआं उड़ाने वाले धुआं हो जाएंगे।

जो राम को लाए हैं...

इस चुनाव में सभी चरणों में छुट्टा पशुओं का मुद्दा असर दिखाता नजर आया। भाजपा का चुनावी गीत, 'जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे' खूब हिट हुआ तो विपक्ष का इसके विरोध में गीत आया, 'जो सांड को लाए हैं, हम उनके भगाएंगे' भी चर्चा का विषय बना रहा। शुरुआती पांच चरणों में तो यह मुद्दा बेहद गर्म रहा।

जिन्ना बनाम गन्ना

अखिलेश यादव के जिन्ना पर दिए बयान को भाजपाइयों ने खूब लपका। भाजपा नेता लगातार रैलियों और प्रचार में बोलते रहे कि 'वे जिन्ना वाले हैं, हम गन्ना वाले हैं।' चौथे चरण में लखीमपुर खीरी प्रकरण के बाद यहां किसान नाराज थे, इसलिए सपा तथा कांग्रेस ने इस मुद्दे को खूब भुनाने की कोशिश की। बसपा ने भी ताकत लगाई। ऐसे में यहां भाजपा ने भी खूब बयानों के तीर चलाए।

विधायक उम्मीदवारों के साथ पार्षदों की धड़कनें बढ़ी, नवंबर में हो सकते हैं चुनाव

» नतीजों का बेसब्री से कर रहे इंतजार, दस मार्च को होगी मतगणना

» जल्द शुरू होगी टिकट मांगने की दौड़, अपने दल के विधायक प्रत्याशियों के परिणामों पर नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव के मतगणना से पहले विधायक उम्मीदवारों के साथ पार्षदों की धड़कनें भी बढ़ गयी हैं। हर पार्षद को चिंता है कि अगर वार्ड में उनका दल हार गया तो पार्टी से टिकट कैसे मांग सकेंगे। इसी 12 दिसंबर को पांच साल पूरा होने पर नए महापौर समेत सभी नए 110 पार्षदों को शपथ लेनी है और चुनाव नवंबर में हो सकते हैं। ऐसे में टिकट मांगने की दौड़ भी दो तीन माह में ही दिखने लगेगी।

सभी दलों में टिकट पाने की होड़ मची रहती है लेकिन भाजपा और सपा में कुछ अधिक ही दावेदार रहते हैं। भाजपा से 58 पार्षद चुनकर आए थे। बाद में सपा समेत निर्दलीय पांच पार्षद भाजपा में शामिल हो गए थे। इस हिसाब से भाजपा 63 पार्षदों वाला दल बन गया था और महापौर के होने से सदन में उसकी मत संख्या 64 हो गई थी। इस हिसाब से सदन में प्रस्ताव पास कराना भाजपा के लिए आसान हो गया था लेकिन तीन पार्षदों की मौत से यह संख्या 60 रह गई थी। इसमें ऐशबाग वार्ड से पार्षद ऊषा शर्मा, इंदिरानगर वार्ड से पार्षद वीरेंद्र कुमार वीरू और चौक के काली जी वार्ड से पार्षद रमेश कपूर थे।

समाजवादी पार्टी से कुल 33 पार्षद हैं। यह संख्या इसलिए बढ़ गई क्योंकि निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले विक्रमादित्य वार्ड से नीरज यादव सपा में शामिल हो गए थे। कांग्रेस के पास आठ पार्षद थे, जिसमें से ओमनगर वार्ड से राजेंद्र सिंह गप्पू और राजाबाजार वार्ड से पार्षद शहनाज अबरार का निधन हो गया था, जबकि गोलागंज के पार्षद मोहम्मद हलीम सपा में शामिल हो गए। ऐसे में कांग्रेस के पास पांच पार्षद ही बचे हैं जबकि निर्दल पार्षदों की संख्या छह है। वहीं विधायक प्रत्याशियों की धड़कनें बढ़ी हुई हैं। रिजल्ट के बाद ही साफ हो सकेगा कि प्रदेश में किसकी सरकार बनेगी।

दो पार्षद भी मैदान में

मालवीयनगर से कांग्रेस की पार्षद ममता चौधरी मोहनलालगंज सीट से कांग्रेस उम्मीदवार हैं तो यहियागंज से भाजपा पार्षद रजनीश गुप्ता मध्य सीट से भाजपा के उम्मीदवार हैं।

सात चरणों में संपन्न हुए चुनाव

उत्तर प्रदेश की 403 विधान सभा सीटों पर चुनाव संपन्न हो चुके हैं। चुनाव सात चरणों में किए गए हैं। सभी दलों ने चुनाव के दौरान अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। दस मार्च को मतगणना होगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सड़कों पर दम तोड़ती जिंदगी

कानपुर-सागर हाईवे पर कार के डीसीएम से टकराने के कारण चार लोगों की मौत हो गयी जबकि जौनपुर में ट्रैक्टर ट्राली एक साइकिल सवार को रौंदते हुए पलट गयी। इस हादसे में भी चार की मौत हो गयी। चौबीस घंटे में हुए ये दो बड़े हादसे यह बताने के लिए काफी हैं कि प्रदेश में सड़क सुरक्षा का हाल क्या है और इसके कारण लोगों की जिंदगी सड़क पर दम तोड़ रही है। सवाल यह है कि उत्तर प्रदेश में सड़क हादसों का ग्राफ बढ़ता क्यों जा रहा है? क्या यातायात नियमों की अनदेखी व बेलगाम रफ्तार लोगों की जान ले रही है? क्या जर्जर सड़कें व अप्रशिक्षित चालक लोगों की जान के दुश्मन बन चुके हैं? क्या इन हादसों के लिए लचर यातायात सिस्टम जिम्मेदार है? क्या सड़कों का निर्माण भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है? आखिर यातायात पुलिस क्या कर रही है? क्या सरकार पर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का भी कोई असर नहीं पड़ रहा है?

यूपी में आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं। इनमें मरने वालों की संख्या साल-दर-साल बढ़ती जा रही है। इन हादसों के लिए कई कारण जिम्मेदार हैं। प्रदेश की तमाम सड़कें जर्जर हो गयी हैं और उनमें बड़े-बड़े गड्ढे बन चुके हैं। इन गड्ढों के कारण हादसे होते हैं। सुप्रीम कोर्ट भी सड़कों की दुर्दशा पर अपनी चिंता जाहिर कर चुका है और राज्य सरकारों को इन्हें दुरुस्त कराने की हिदायत दे चुका है। बावजूद इसके स्थितियों में आज तक सुधार नहीं हो सका है। भ्रष्टाचार का आलम यह है कि नयी बनी सड़क भी पहली बारिश में उखड़ जाती है। हैरानी की बात यह है कि ऐसी सड़कों पर पैचवर्क इस तरह किया गया है कि यदि सावधानी से वाहन न चलाया जाए तो दुर्घटना घट सकती है। इसके अलावा स्पीड ब्रेकर भी मानकों को ताक पर रखकर बनाए गए हैं जो हादसों को न्योता देते हैं। कहने को हर साल प्रदेश की पुलिस सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाती है लेकिन इसका कोई असर लोगों पर नहीं पड़ता है। चालक यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए फर्राटा भरते हैं और अपने व दूसरे के जान के दुश्मन बन जाते हैं। यही नहीं लचर सिग्नल सिस्टम और यातायात पुलिस की लापरवाही भी दुर्घटनाओं की बड़ी वजह है। हालत यह है कि ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की जाती है। इसके कारण नियमों की अनदेखी बढ़ती जा रही है। यदि सरकार हादसों पर लगाम लगाना चाहती है तो उसे न केवल सड़कों को दुरुस्त करना होगा बल्कि यातायात सिस्टम को भी ठीक करना होगा। साथ ही नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी होगी।

“ सवाल यह है कि उत्तर प्रदेश में सड़क हादसों का ग्राफ बढ़ता क्यों जा रहा है? क्या यातायात नियमों की अनदेखी व बेलगाम रफ्तार लोगों की जान ले रही है? क्या जर्जर सड़कें व अप्रशिक्षित चालक लोगों की जान के दुश्मन बन चुके हैं? क्या इन हादसों के लिए लचर यातायात सिस्टम जिम्मेदार है? क्या सड़कों का निर्माण भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

एग्जिट पोल ही 'परिणाम' हैं तो 2024 के लिए मोदी को बधाई!

श्रवण गर्ग

यूपी के नतीजे किस करवट बैठने वाले हैं? अपनी विश्वसनीयता को लेकर हर चुनाव के दौरान विवादों में घिरे रहने वाले एग्जिट पोल ही अगर दस मार्च की शाम तक अंतिम रूप से भी सही साबित होने वाले हैं तो फिर नरेंद्र मोदी को 2024 में भी 2014 और 2019 जैसी ही जीत दोहराने के लिए अग्रिम बधाई अभी से दे देनी चाहिए। मान लिया जाना चाहिए कि जो तमाम सदृश्य और अदृश्य ताकतें यूपी में संघ और भाजपा के बुलडोज़री-हिंदुत्व को फिर फिर सत्ता में ला रही हैं वे ही लोक सभा के लिए भी अपनी दोगुनी शक्ति और संसाधनों के साथ दिल्ली मिशन में जुटने वाली हैं।

कोई तो अज्ञात कारण अवश्य होना चाहिए कि इतनी जबरदस्त एंटी-इंकबेन्सी के बावजूद अमित शाह , जे पी नड्डा और योगी आदित्यनाथ सभी का सार्वजनिक रूप से यही दावा कायम है कि सरकार तो भाजपा की ही बनेगी। बलिया जिले के एक थाना प्रभारी ने तो एक बड़े भाजपा नेता को कथित रूप से कैबिनेट मंत्री बनने की अग्रिम शुभकामनाएं भी दे दीं। लखनऊ में अफसरों के बंगलों के रंग फिर से भगवा होना शुरू हो गए होंगे। अखिलेश के सत्ता में आने के यूपी के देसी पत्रकारों के दावों को चुनौती देते हुए अंग्रेज़ी के नामी-गिरामी जर्नलिस्ट राजदीप सरदेसाई ने तो एग्जिट पोल के पहले ही लिख दिया था कि भाजपा की जीत साफ दिखाई पड़ रही है। उन्होंने उसके कारण भी गिनाए हैं। बड़े पत्रकार अपनी बात पुख्ता सूत्रों के आधार पर ही करते हैं इसलिए राजदीप के दावे में कुछ सच्चाई जरूर होगी ऐसा दस मार्च तक के लिए माना जा सकता है। एग्जिट पोल्स के दावों के विपरीत जो लोग अखिलेश यादव की जीत का सट्टा लगा रहे हैं उनके पास भी अपने कुछ तर्क हैं। मसलन, प.बंगाल के बाद से भाजपा ज्यादातर चुनाव हार ही रही है। उसके जीतने का सिलसिला काफी पहले से बंद हो चुका है। एग्जिट पोल्स के अनुमानों के खिलाफ, पश्चिम बंगाल में हुई करारी हार के बाद पिछले साल के अंत में हिमाचल सहित दस राज्यों के उपचुनावों में भाजपा को अपनी पहले जीती हुई कुछ सीटें भी उस कांग्रेस के हवाले करना पड़ी थीं जिसे वह खत्म करने का दावा आये दिन करती रहती है। एनडीए के बचे-खुचे घटक दल भी एक-एक करके भाजपा का साथ छोड़ रहे हैं। मुमकिन है बिहार वाले 'सुशासन बाबू' भी दस मार्च की प्रतीक्षा कर रहे हों।

सपा के पक्ष में सटोरियों के उत्साह का दूसरा बड़ा कारण अखिलेश-प्रियंका की रैलियों में भीड़ और मोदी-शाह-योगी की सभाओं में कुर्सियों का ख़ाली नजर आना बताया गया है। कहा जा रहा है कि पश्चिमी यूपी में मुसलिमों और जाटों के बीच खून खराबे का सफलतापूर्वक आजमाया जा चुका प्रयोग इस बार काठ की हांडी साबित हो गया। महंगाई, बेरोजगारी और कोरोना से मौतों को लेकर लोगों की

नाराजगी चरम सीमा पर है। पूछा जा रहा है कि अपने कामों को लेकर भाजपा अगर इतनी ही आश्वस्त थी तो यूक्रेन सहित सारे जरूरी काम ताक पर रखकर पीएम को बनारस में तीन दिन क्यों गुजारने पड़ गए? क्या उन्हें डर पैदा हो गया था कि अपने संसदीय क्षेत्र की कुछ सीटों पर हार का सामना करना पड़ा या उन पर जीत का मार्जिन कम हो गया तो उसे उनकी लोकप्रियता के ग्राफ से जोड़ लिया जाएगा? कोई छुपी हुई बात नहीं है कि यूपी में चुनाव के सातों चरणों के दौरान भाजपा को जिस तरह के जन-विरोध की लहर का सामना करना पड़ा पार्टी उसके लिए वह कतई तैयार नहीं थी। पार्टी अपने इस भय को भी खारिज नहीं कर सकती कि एग्जिट पोल्स के दावों के विपरीत अगर सरकार नहीं बनी तो जिस तरह के दल-बदल का (स्वामीप्रसाद मौर्य, ओम् प्रकाश राजभर ,दारासिंह चौहान,आदि) उसे चुनाव के पहले सामना करना पड़ा था उससे कहीं और बड़ा पश्चिम बंगाल की तर्ज पर यूपी में झेलना पड़ जाएगा। प.बंगाल की भगदड़ का असर चाहे कहीं और नहीं हुआ हो यूपी का असर उन सब हिंदी-भाषी राज्यों पर पड़ेगा, जहां 2024 के पहले चुनाव होने हैं। लोक सभा के पहले ग्यारह राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि भाजपा में एक 'साइलेंट मायनोरिटी' ऐसी भी है जो 'पार्टी' को 2024 में जिताने के लिए 'व्यक्तियों' के कमजोर होने को जरूरी मानती है। इस मायनोरिटी के अनुसार, यूपी में पार्टी की हार लोक सभा के लिए अहंकार-मुक्त नेतृत्व प्रदान करने का काम भी कर सकती है। यूपी में एग्जिट पोल्स के अनुमान सही साबित होने की स्थिति में विपक्ष तो निराश-हताश होगा ही, भाजपा के कई दिग्गजों को मार्गदर्शक मंडल में जाना पड़ सकता है। वोटिंग मशीनों में अंतिम समय पर (मूर्तियों के दूध पीने वाले चमत्कार की तरह) कोई आसमानी-सुलतानी नहीं हो जाए तो जमीनी नतीजों का रुझान तो इस समय भाजपा के खिलाफ जाने का ही है। इसके बावजूद, ज्यादा अंदरूनी जानकारी उन अनुभवी पत्रकारों, चुनावी-विश्लेषकों और टी वी एंकरों को ही हो सकती है जो डंके की चोट मुनादी कर रहे हैं कि जीत तो भाजपा की ही होने जा रही है। यूपी में सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ बेहद प्रतिकूल मौजूदा परिस्थितियों के बावजूद अगर सपा गठबंधन स्पष्ट बहुमत प्राप्त करने से चूक जाता है तो फिर आगे आने वाले समय में यूपी और देश में विपक्ष की राजनीति का चेहरा कैसा बनेगा उसकी भी कल्पना की जा सकती है। उसमें यह भी शामिल रहेगा कि मोदी को फिर 2024 में दुनिया की कोई भी ताकत नहीं रोक पाएगी। यूपी की जनता अगर ऐसा ही चाहती तो उसके फैसले पर पूरे देश की प्रतिक्रिया जानने के लिए थोड़ी प्रतीक्षा की जानी चाहिए।

महिला सशक्तिकरण और नया भारत

अन्नपूर्णा देवी

भारतीय दर्शन में स्त्री शक्ति है। शक्ति स्वयं समर्थ और सक्षम होती है। स्त्री विद्या, बुद्धि और लक्ष्मी भी है। हमारी संस्कृति में स्त्री एकसाथ शक्ति, बुद्धि और वैभव को रूपायित करती है, जिसे दुनिया ने भी स्वीकारना शुरू कर दिया है। ऑस्ट्रेलियाई कार्यकर्ता जीडी एंडरसन ने 2014 में कहा था- नारीवाद महिलाओं को सशक्त करने का नाम नहीं है। वह पहले ही सशक्त हैं। यह उनके प्रति दुनिया के नजरिये को बदलने का प्रयास है। जिस बात का अनुभव वे आज कर रही हैं वह भारतीय परंपरा के आधारभूत तत्वों में से है। प्राचीन भारतीय परंपरा में नारी प्रारंभ से ही इतनी सशक्त रही है कि एक ओर वह विद्याध्ययन और शास्त्रार्थ में प्रतिष्ठित थी तो दूसरी ओर युद्ध के मैदान में शत्रुओं के सामने पराक्रम का भी प्रदर्शन करती थी।

इतिहास के कालखंड विशेष में कुछ विसंगतियों के चलते आज हमें देश में स्त्री सशक्तिकरण अथवा उनके अधिकारों की बात करनी पड़ रही है। ऋग्वेद में मुद्लानी नामक ऋषिका का वर्णन है, जिन्होंने कई राजाओं को हराकर हजारों गायों को जीता था। उसी तरह विपस्सला नामक ऋषिका थीं, जिनका युद्ध में हस्तभंग होने का भी वर्णन मिलता है। वेदों में रोमसां से लेकर अपाला, लोपामुद्रा जैसे अनेक नाम मिलते हैं जो स्त्रियों की सशक्त उपस्थिति का उदाहरण हैं। प्राचीन काल में स्त्रियां न केवल कला और साहित्य, बल्कि युद्ध कौशल में भी निपुण थीं। ये परंपरा हमें आगे चलकर जनजातीय वीरांगनाएं फूलो और झानो से लेकर रानी रूद्रमा, रानी दुर्गावती, रानी चेन्नमा, रानी लक्ष्मीबाई और रानी गाइदिन्ल्यू के यहां मिलती हैं। इसके बरक्स, पश्चिम में स्त्रियों की स्थिति बड़ी निम्न रही है। उन्हें डायन बताकर जला दिया जाता था। अट्ठारहवीं सदी में पहली बार किसी पुरुष यानी जॉन स्टुअर्ट मिल ने पुस्तक 'ऑन लिबर्टी के माध्यम से स्त्री मुक्ति की बात की जबकि भारतीय परंपरा में 'यत्र नार्यस्तु पूज्यंते, रमंते तत्र देवता की बात प्राचीन काल से ही होती रही है। पाश्चात्य प्रभाव में हम अपने सांस्कृतिक इतिहास को भूल जाते हैं।

फ्रांसीसी क्रांति से उपजे समानता, स्वतंत्रता, विश्वबंधुत्व को आज हम लोकतंत्र की नींव के रूप में देखते हैं पर, इसी समय स्त्रियों से संबंधित एक बड़ी भयावह घटना को नहीं बताया जाता है। क्रांति के बाद ऑलिम द गूज नामक एक महिला पूछती है कि इस क्रांति के बाद स्त्रियों की क्या स्थिति होगी? उन्हें क्या मिलेगा? 'क्रांतिकारियों' ने इस महिला का सिर लोहे की कड़ाही में रखकर घोड़े के पैर से कुचलवा दिया। यह थी पश्चिम में स्त्रियों की दशा। आज हमें अपने प्राचीन अभिलेखों, शिलालेखों और साहित्य को व्याख्यायित करने की जरूरत है। साहित्य चेतना की दृष्टि से भी भारत में स्त्रियों की मुक्ति का विचार पश्चिम से पहले पनपा। विख्यात फ्रेंच नारीवादी दार्शनिक सिमोन द बोउआ की 1949 में आयी पुस्तक द सेकंड सेक्स से पश्चिम में नारीवाद का आरंभ हुआ लेकिन उसके पहले ही 1942 में महादेवी वर्मा शृंखला की कड़ियां में भारतीय परिप्रेक्ष्य वाले नारीवाद को मजबूती के साथ अभिव्यक्त कर चुकी थीं। संयुक्त राष्ट्र ने लैंगिक समानता को सतत विकास लक्ष्यों में प्रमुखता देते हुए संपूर्ण विश्व से इस दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, राजनीतिक तथा आर्थिक निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी को संयुक्त राष्ट्र ने मानवता के कल्याण के लिए आवश्यक बताया है। इस दृष्टि से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के प्रयासों को देखा जाये तो वह महिलाओं के लिए शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास के लिए लाभकारी हैं। मोदी सरकार द्वारा लड़कियों को समान शिक्षा और अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान से बड़ा परिवर्तन दिख रहा है। इसी तरह बीजिंग डेक्लेरेशन के अनुरूप महिलाओं के आर्थिक विकास के लिए रोजगार सुनिश्चित करना, किशोरियों के सशक्तिकरण के प्रयास, 'सुकन्या समृद्धि योजना' और माताओं के लिए 'जननी सुरक्षा योजना' जैसी योजनाएं लैंगिक समानता के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए भारत के संकल्प को दिखाती हैं। संयुक्त राष्ट्र ने भी इन प्रयासों की सराहना की है। मोदी सरकार ने दलित, पिछड़े, आदिवासी और ईडब्ल्यूएस वर्ग की लड़कियों के समग्र विकास के लिए दीनदयाल अंत्योदय योजना, आदिवासी महिला सशक्तिकरण योजना, कौशल विकास और रोजगार को समर्पित ऐसी योजनाएं लागू की हैं, जो महिलाओं के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती हैं। आज घर-घर शौचालय, गरीब महिलाओं के लिए मुफ्त गैस कनेक्शन, आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना, हर घर बिजली और हर घर नल जल जैसी योजनाएं महिलों के जीवन में क्रांति ला रही हैं। मोदी सरकार के आने के बाद महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ी है। महिलाओं के बैंक खाते और मोबाइल फोन में 2015 के बाद से क्रमश: 28 प्रतिशत और 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह नेशनल फैमिली एंड हेल्थ सर्वे-5 के अनुसार, 2015 से 10 साल से अधिक स्कूली शिक्षा पानेवाली महिलाओं की हिस्सेदारी में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बेटियों और महिलाओं के लिए अनेक प्रावधान हैं। मैं यह नहीं कहती कि महिलाओं की सभी समस्याएं खत्म हो गयी हैं लेकिन यह जरूर कहना चाहूंगी कि इसी तरह के प्रयास यदि समग्रता में चलते रहे, तो वह दिन दूर नहीं जब हम पुन: उसी प्राचीन गौरव को प्राप्त करने में सफल होंगे जिसमें महिलाओं का पूर्ण सम्मान और गरिमा सुनिश्चित हो सकेगी।

सुरक्षित वातावरण महिलाओं के लिए जरूरी अधिकारों में शामिल होना चाहिए। बदलते समय और जरूरतों ने इस दिशा में भी काम किया है।

महिलाओं को ताकत देने वाले पांच एप्स

आज की महिलाएं लगभग हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कदमताल कर रही हैं, लेकिन जब बात सेफ्टी की आती है, तो वो यहां पीछे रह जाती हैं। सुरक्षित वातावरण महिलाओं के लिए जरूरी अधिकारों में शामिल होना चाहिए। और बदलते समय और जरूरतों ने इस दिशा में भी काम किया है आज कई ऐसे मोबाइल एप्स आ चुके हैं जिनकी मदद से संकट के समय उन्हें सहायता मिल सकती है। आइए जानते हैं इनके बारे में।

हिम्मत

ये एप दिल्ली पुलिस द्वारा लांच किया गया है। तो इसका इस्तेमाल करने के लिए सबसे पहले तो आपको खुद को दिल्ली पुलिस की वेबसाइट पर रजिस्टर करना होगा। रजिस्ट्रेशन के प्रोसेस में एक ओटीपी आएगा, जिसे मोबाइल में एंटर करते ही ये शुरू हो जाएगा। संकट की घड़ी में यूजर इस एप के जरिए एसओएस मैसेज भेज सकती है। जिससे उसकी लोकेशन और ऑडियो-वीडियो सीधे दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम तक पहुंच जाएगी और पुलिस तुरंत मदद के लिए पहुंच जाती है।

रक्षा

इस एप की सबसे अच्छी बात है कि इसका इस्तेमाल तब भी किया जा सकता है, जब इंटरनेट न हो। इसमें मौजूद बटन को प्रेस करके यूजर पहले से चुने गए कॉन्टेक्ट नंबरों को अपनी हालिया लोकेशन भेज सकती है। अगर एप बंद हो, तो भी इसके बटन को 3 सेकेंड तक दबाकर अलर्ट मैसेज जरूरी लोगों तक भेजा जा सकता है।

सेफ्टी पिन

महिलाओं की सेफ्टी के लिए यह एप जीपीएस ट्रैकिंग, इमरजेंसी कॉन्टेक्ट नंबर, सुरक्षित जगह तक पहुंचने का रास्ता जैसे जरूरी फीचर्स से लैस है। मैप पर बेस्ड यह एप यूजर के आसपास के सुरक्षित जगह को पिन करता है, जैसे जो जगह सेफ नहीं उसे लाल रंग से दिखाया जाता है, जो जगह एकदम सेफ है वो हरे रंग से और भूरे-पीला रंग वाली जगहें कम सुरक्षित की कैटेगरी में आती हैं। जिससे महिलाएं अलर्ट हो सके। एक अच्छा फीचर ये भी है कि यूजर दूसरों की मदद के लिए असुरक्षित जगहों को पिन भी कर सकती है।

स्मार्टवेय

भारत के कई राज्यों की पुलिस इस एप के जरिए महिलाओं और बुजुर्गों की मदद कर रही है। इसका पैनिक बटन दबाने पर यह इमरजेंसी कॉन्टेक्ट नंबरों पर अलर्ट मैसेज भेजने का काम करता है, साथ ही आवाजों को रिकॉर्ड करके और फोटोज़ खींचकर स्थानीय पुलिस के पास भी भेज देता है। इस एप में कॉल सेंटर सपोर्ट की भी फैसिलिटी है।

शेक सेफ्टी

इस एप को इस्तेमाल करना बेहद आसान है। मुसीबत के समय बस अपने मोबाइल फोन को हिलाएं (शेक) करें या पावर बटन को 4 बार दबाएं। ऐसा करते ही पहले से रजिस्टर किए गए नंबरों पर उसी वक्त मैसेज या कॉल चली जाएगी। इंटरनेट हो या न हो, फोन चाहे लॉक हो, फिर भी यह एप काम करेगा।

हंसना मना है

लड़की का फोन आया। लड़का: हां, कितने का Recharge करवाऊं? लड़की: तुम्हें क्या लगता है मैं हर बार recharge करवाने के लिए ही फोन करती हूं क्या? लड़का: तो? लड़की: 2 ड्रेस दिलवा दे ना।

टीटू अमेरिका घूमने गया, अमेरिकन: यहां से जल्दी चले जाओ। टीटू: क्यों भई ? अमेरिकन : हमारे यहां वॉर हो गया है। टीटू: अबे चुपकर.. हमारे इंडिया में तो रोज वॉर होता है अमेरिकन: कैसे? टीटू: सोमवार, मंगलवार, बुद्धवार.. अमेरिकन बेहोश।

सुनाता हूं अपने स्कूल की प्रेमकहानी, एक थी टॉपर जो 100 प्रतिशत की थी रानी... फिर क्या? हमने पटा ली..और.. फेल हो गई महारानी!

लड़की: शो गया मेरा शोना? लड़का: हां लड़की: तो फिर reply कैसे किया मेरे शोने ने? मैं शोने का बाप बोल रहा हूं.. बहूरानी सो जाओ अब परीक्षा है कल तेरे शोने की...अगर फेल हो गया ना तेरा शोना, तो मैं तेरे शोने को इतना माऊंगा कि सोने लायक नहीं बचेगा समझी।

तुम message की बात करती हो baby हम तो Exam में Question Seen करके छोड़ आते हैं.

कहानी — महिलामुख हाथी

बहुत समय पहले की बात है राजा चन्द्रसेन के अस्तबल में एक हाथी रहता था। उसका नाम था महिला मुख। महिला मुख हाथी बहुत ही समझदार, आज्ञाकारी और दयालु था। उस राज्य के सभी निवासी महिला मुख से बहुत प्रसन्न रहते थे। राजा को भी महिला मुख पर बहुत गर्व था। कुछ समय बाद महिला मुख के अस्तबल के बाहर चोरों ने अपनी झोपड़ी बना ली। चोर दिनभर लूट-पाट और मार-पीट करते और रात को अपने अड्डे पर आकर अपनी बहादुरी का बखान करते थे। चोर अक्सर अगले दिन की योजना भी बनाते कि किसे और कैसे लूटना है। उनकी बातें सुनकर लगता था कि वो सभी चोर बहुत खतरनाक थे। महिला मुख हाथी उन चोरों की बात सुनता रहता था। कुछ दिन बाद महिला मुख पर चोरों की बातों का असर होने लगा। महिला मुख को लगने लगा कि दूसरों पर अत्याचार करना ही असली वीरता है। इसलिए, महिला मुख ने फैसला लिया कि अब वो भी चोरों की तरह अत्याचार करेगा। सबसे पहले महिला मुख ने अपने महावत पर वार किया और महावत को पटक-पटक कर मार डाला। इतने अच्छे हाथी की ऐसी हरकत देखकर सारे लोग परेशान हो गए। महिला मुख किसी के काबू में नहीं आ रहा था। राजा भी महिला मुख का ये रूप देखकर चिंतित हो रहे थे। फिर राजा ने महिला मुख के लिए नए महावत को बुलाया। उस महावत को भी महिला मुख ने मार गिराया। इस तरह बिग?ल हाथी ने चार महावत कुचल दिए। महिला मुख के इस व्यवहार के पीछे क्या कारण था यह किसी को समझ नहीं आ रहा था। जब राजा को कोई रास्ता नहीं सूझा, तो उसने एक बुद्धिमान वैद्य को महिला मुख के इलाज के लिए नियुक्त किया। राजा ने वैद्य जी से आग्रह किया कि जितनी जल्दी हो सके महिला मुख का इलाज करें, ताकि वो राज्य में तबाही का कारण नहीं बन सके। वैद्य जी ने राजा की बात को गंभीरता से लिया और महिलामुख की क?ी निगरानी शुरू की। जल्द ही वैद्य जी को पता चल गया कि महिला मुख में ये परिवर्तन चोरों के कारण हुआ है। वैद्य जी ने राजा को महिला मुख के व्यवहार में परिवर्तन का कारण बताया और कहा कि चोरों के अड्डे पर लगातार सत्संग का आयोजन कराया जाए, ताकि महिला मुख का व्यवहार पहले की तरह हो सके। राजा ने ऐसा ही किया। अब अस्तबल के बाहर रोज सत्संग का आयोजन होने लगा। धीरे-धीरे महिलामुख की दिमागी हालत सुधरने लगी। कुछ ही दिनों में महिला मुख हाथी पहले जैसा उदार और दयालु बन गया। अपने पसंदीदा हाथी के ठीक हो जाने पर राजा चंद्रसेन बहुत प्रसन्न हुए। चन्द्रसेन ने वैद्य जी की प्रशंसा अपनी सभा में की और उन्हें बहुत से उपहार भी प्रदान किए।

कहानी से सीख- संगति का असर बहुत जल्दी और गहरा होता है। इसलिए, हमेशा अच्छे लोगों की संगत में रहना चाहिए और सभी के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए।

7 अंतर खोजें

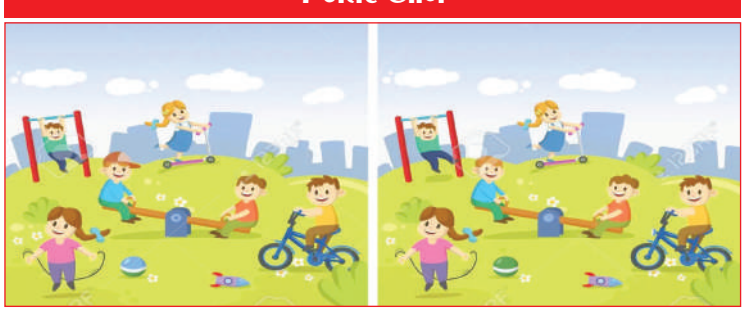

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — सिंगल लोग किसी को प्रपोज करने की सोच रहे हैं तो थोड़ा रुके। दांपत्य जीवन मे तालमेल रहेगा। आप आपको मानसिक शांति मिलेगी। पार्टनर को लेकर मन में पॉजीटिव बातें चलेगी।

वृषभ — आज का दिन आपको बहुत सारी खुशियां प्रदान करेगा। जो भी परेशानियां दोनों में चल रही थी, वो समाप्त होंगी। एक-दूसरे से हर बात को लेकर खुलकर चर्चा करेंगे।

मिथुन — प्रेमी के साथ बिताये हुए पल याद करेंगे। जीवनसाथी की सेहत का ख्याल रखें। पति-पत्नी के बीच मनमुटाव हो सकता है। आज पार्टनर के साथ समय नहीं बिता पाएंगे।

कर्क — आज का दिन अच्छा रहेगा। साथी के साथ चल रहा वाद-विवाद समाप्त होगा। पार्टनर को समय दें। सिंगल के प्रेम संबंधों में आ रही मुश्किलें कम होंगी, नए रास्ते खुलेंगे।

सिंह — पत्नी के साथ मांगलिक प्रोग्राम में जाने के योग हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। पार्टनर की कुछ बातें इग्नोर करनी पड़ेगी। आज आपके प्रेमी से मन मुटाव हो सकता है।

कन्या — आज लव लाइफ को रोमांचक बनाने के लिए मन में नई योजनाएं आएंगी। साथी के साथ मिलकर फ्यूचर प्लानिंग करेंगे। सिंगल को अपनी उम्र से बड़ा कोई आकर्षित करेगा।

तुला — आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। पार्टनर की सेहत का ख्याल रखें। आज पति-पत्नी के बीच तालमेल ठीक रहेगा। पार्टनर से आपको खुशखबरी मिल सकती है। आप पार्टनर से सुख मिल सकता है

वृश्चिक — आज का दिन अच्छा रहेगा। लव लाइफ के लिए भी समय अनुकूल है। साथी के साथ मिलकर कहीं घूमने की प्लानिंग करेंगे। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। सिंगल की लाइफ में किसी की एंट्री हो सकती है।

धनु — पार्टनर के साथ बाहर घूमने जा सकते हैं। प्रेम संबंधों में किसी भी तरह का कोई बड़ा फैसला ना लें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। पार्टनर को लेकर किसी के साथ विवाद हो सकता है।

मकर — चीजों और लोगों को तेजी से परखने की क्षमता आपकों दूसरों से आगे बनाए रखेगी। घर में पेड़-पौधे लगाने से मन का तनाव कम होगा। पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा।

कुम्भ — आप किसी को प्रपोज करना चाह रहे हैं तो कर सकते हैं। आपका प्रपोजल स्वीकार किया जा सकता है। पार्टनर से सुख मिलेगा। लव लाइफ के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं।

मीन — आज लव लाइफ को लेकर आपका तन और मन पूरा दिन ऊर्जा से भरे रहेंगे लेकिन रात को स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है। छोटी-मोटी समस्या को नजरअन्दाज न करें।

बालीवुड | मन की बात

एक्टिंग को करियर चुना तो रिश्तेदारों ने बंद कर दिया था बात करना : शिवांगी जोशी

स्टार प्लस के पॉप्युलर सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता है में नायरा के किरदार से दर्शकों का दिल जितने वाली अभिनेत्री शिवांगी जोशी ने अपने स्ट्रगल से लेकर महिलाओ के बदलते रूप को लेकर खुलकर बातचीत की है। शिवांगी कहती है मेरी प्रेरणा मेरी मां है और वह इस दुनिया की सबसे स्ट्रॉग महिला है। वह जब मुझे लेकर मुंबई आयी थी तब कई रिश्तेदारों ने उन पर गुस्सा करते हुए कहा था कि कहा बेटी को मुंबई डाक्टर या इंजीनियर बनाने नही बल्कि एक्टिंग कराने ले जा रही हो। मत जाओ नही तो पछताओगी। शिवांगी बातचीत को आगे बढ़ाते हुए बताती है कि कई रिश्तेदारों ने तो यहां तक की उस वक्त हमसे बात तक करना बंद कर दिया था लेकिन अब वही लोग न सिर्फ बहुत अच्छे से खुद बात करते है बल्कि कहते है कि एक्टिंग अच्छा करियर है हमारे बच्चे को भी एक्टिंग करियर बनवाने में मदद करो। मेरी सक्सेस के साथ रिश्तेदारों का बात करने का ढंग ही बदल गया है। शिवांगी हंसते हुए पुराने दिनों को याद करती हुई कहती है कि मैंने और मेरी मां दोनों ने साथ -साथ स्ट्रगल किया है। मेरी माँ जिस तरह पूरे परिवार को छोड़ मेरा करियर बनाने मुझे मुंबई लेकर आई थी और यह हमारे स्ट्रगल का सबसे बड़ा पड़ाव था और इसके बाद मुंबई में काम ढूढ़ने का स्ट्रगल शुरू हुआ। शुरुआत में ढेर सारे ऑडिशन दिए तब जाकर बेगुसराय सीरियल से छोटे पर्दे पर एंट्री मिली। शिवांगी कहती है कि मैं खुद छोटे शहर से हूं और आज भी कई छोटे शहरों में सिर्फ लड़कियों के लिए एक्टिंग को खराब प्रोफेशन माना जाता है।

गैल गैडॉट के साथ इस फिल्म में आएंगी नजर

आलिया भट्ट ने किया हॉलीवुड का रुख

बॉलीवुड | मसाला

आलिया भट्ट इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म गंगुबाई काठियावाड़ी को लेकर खूब सराहना बटोर रही हैं। हालांकि कुछ लोगों ने फिल्म की आलोचनाएं भी की हैं लेकिन इन सबके बीच अब आलिया को एक बड़ा ऑफर मिला है, जिसके जरिए उन्होंने हॉलीवुड डेब्यू की भी पूरी तरह से तैयारी कर ली है।

गैल गैडोट के साथ दिखेंगी आलिया

दरअसल, आलिया जल्द ही मशहूर हॉलीवुड एक्ट्रेस गैल गैडोट के साथ नजर आने वाली हैं. इन्हें नेटफ्लिक्स की अगली स्पाई थ्रिलर फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन के लिए साइन किया गया है। इसी के साथ आलिया डिजिटल डेब्यू भी करने जा रही हैं। इस फिल्म में एक्टर जैमी डोरनन को भी लीड रोल में देखा जाएगा। अब इस खबर के सामने आने के बाद आलिया के फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है।

आलिया को लेकर हुआ ऐलान

अब आलिया को लेकर नेटफ्लिक्स ने भी सोशल मीडिया पर ऐलान कर दिया है। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, दिन की शुरुआत इस ऐलान के साथ की जा रही है कि आलिया भट्ट हार्ट ऑफ स्टोन का हिस्सा बन रही है। हालांकि, इस फिल्म को लेकर अन्य जानकारी सामने नहीं आ पाई है। दूसरी ओर आलिया को हॉलीवुड स्टार्स के साथ पर्दे पर देखना काफी रोमांचक होने वाला है।

गैट गैडोट ने शुरू की शूटिंग

गौरतलब है कि गैट गैडोट ने हार्ट ऑफ स्टोन की शूटिंग शुरू कर दी है। कुछ वक्त पहले ही उन्होंने फिल्म के सेट से अपना लुक भी शेयर किया था। वहीं, आलिया भी अब जल्द ही इस पर काम शुरू करने के लिए तैयार हैं। बता दें कि टॉप हार्पर के निर्देशन में बन रही फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन को ग्रेग रुका और U Allison Schroeder ने मिलकर लिखा है। इस फिल्म की कहानी रिशेल स्टोन की है, जो इंटेलीजेंस ओपरेटिव हैं।

इन फिल्मों में दिखेंगी आलिया

आलिया के वर्क फ्रंट की बात करें तो इस समय उनके पास कई फिल्में रिलीज की कतार में हैं। काफी समय से वह अयान मुखर्जी की अगली फिल्म ब्रह्मास्त्र को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इसके अलावा उन्हें डार्लिंग्स, आरआरआर, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी और जी ले जरा जैसी फिल्मों में भी देखा जाने वाला है।

अजब-गजब | पूरी दुनिया में हो रही चर्चा

कौन हैं चीन में मिले रहस्यमयी टेराकोटा योद्धा

पुरातत्वविदों ने चीन के पहले शासक किन शी हुआंग की गुप्त कब्र के पास 20 नए टेराकोटा योद्धाओं की खोज की है। शी हुआंग ने चीन में 259 से 210 ईसा पूर्व तक शासन किया। अब तक चीन के पहले सम्राट के मकबरे के आसपास 8000 टेराकोटा योद्धाओं को खोजा गया है जिनमें 20 बिल्कुल नए हैं। टेराकोटा योद्धा की खोज 29 मार्च 1974 को हुई थी। किसानों को एक कुआं खोदने के दौरान टेराकोटा योद्धा मिले थे। इसकी जानकारी मिलने के बाद चीन की सरकार ने इसकी खुदाई कराई, तो हजारों टेराकोटा वॉरियर्स मिले।

बताया जाता है कि टेराकोटा योद्धाओं को चीन के पहले शासक शी हुआंग की कब्र की रक्षा के लिए बनाया गया था। नए मिले टेराकोटा योद्धा को एक गड्ढे में दफनाया गया था। चीन के सरकारी मीडिया ने बताया है कि गड्ढे में इन्फैन्ट्री और रथ भी मिले हैं। इन योद्धाओं में कुछ जनरल रैंक हैं। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि ताज उनके पद हिसाब से सजाया गया है। आइए जानते हैं कि आखिर ये टेराकोटा योद्धा कौन हैं।

पुरातत्वविदों ने ऐसे करीब 2000 टेराकोटा योद्धाओं का पता लगाया है। टेराकोटा योद्धाओं की मूर्तियां अभी सुरक्षित हैं। चीन के पहले शासक की कब्र करीब 2200 साल पुरानी है जो 249 फीट ऊंचे पिरामिड के नीचे हैं। इस कब्र की रक्षा के लिए हजारों टेराकोटा योद्धाओं को तैनात किया गया है।

जानिए क्या हैं टेराकोटा योद्धा

चीन के पहले शासक किन शी हुआंग की कब्र की रक्षा के लिए टेराकोटा योद्धाओं को बनाया गया था। पुरातत्वविदों का मानना है कि शी हुआंग की कब्र के एक मील के अंदर तीन गड्ढों में 8000 टेराकोटा योद्धाओं को बनाया गया है। अभी तक 2000 टेराकोटा योद्धाओं को खोजा गया है जिनके पास तीर कमान, भाले, तलवार जैसे हथियार हैं। सबसे हैरानी वाली बात यह है कि सभी सैनिकों के रैंक और शक्ल अलग-अलग नजर आती है। सरकारी कर्मचारियों ने इन मूर्तियों को स्थानीय चीजों से बनाया है। टेराकोटा योद्धाओं के सिर से लेकर पैर तक अलग-अलग बनाए गए और आग में तपाने के बाद इनको जोड़ दिया गया।

बताया जाता है कि जब किन शी हुआंग चीन के शासक बने थे, तो उनकी उम्र सिर्फ 12 साल थी। उन्होंने शासक बनने के बाद अपने साम्राज्य की रक्षा के लिए एक ऐसी सेना बनाई जो किसी भी सेना को हरा देती थी। हुआंग की इस सेना को टेराकोटा योद्धा नाम दिया गया। हुआंग ने ही अपने सामाज्य की रक्षा के लिए चीन की दीवार को बनवाया। किन शी हुआंग 221 ईसा पूर्व में चीन को जीतकर एकजुट करने में सफलता हासिल की और इसके बाद हजारों साल तक चीन पर राज किया।

यहां छिपा है खरबों रुपये का खजाना द्वितीय विश्व युद्ध से जुड़ा है रहस्य

दुनियाभर में कितना खजाना है ये कोई नहीं जानता लेकिन ऐसा माना जाता है कि समुद्र की गहराई में अकूत खजाना छिपा हुआ है। आज हम ऐसे ही एक खजाने के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका रहस्य द्वितीय विश्व युद्ध से जुड़ा हुआ है। दरअसल, इटली, फ्रांस और अल्जीरिया के बीचोबीच एक द्वीप बसा हुआ है जिसका नाम है कोर्सिका। इस द्वीप पर अब भी फ्रांस की सरकार का आधिपत्य है। इसी कोर्सिका नामक द्वीप के निकट बोस्तियां की खाड़ी के उथले समुद्र में जर्मन सेनापति जनरल नमेल ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अफ्रीका से लूटा हुआ खजाना छिपा दिया था। इस खजाने की कीमत लगभग 20 अरब डॉलर आंकी जाती है। ऐसा माना जाता है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जब अफ्रीका पर जमनी ने धावा बोला तो पहले वह काफी कुछ आगे तक बढ़ता ही चला गया, किन्तु जब मित्र देशों ने उस पर हमला किया तो जर्मनी के यहां से पैर उखड़ गए लेकिन जर्मनों ने इस युद्ध में लूटे हुए काफी धन को जर्मनी पहुंचा दिया। उस दौरान जल्दबाजी में जनरल रोमेल ने एक बड़े स्टीमर में खजाना भरकर रातोंरात जर्मनी भेज दिया। यह घटना 17 सितम्बर 1943 की है। लेकिन कप्तान के साथ हुज्जत में उसने अपने स्टीमर को वहीं पर डुबो दिया, जिससे स्टीमर का यह खजाना विपक्षी लोगों के हाथ न पड़ सके। उसके बाद स्टीमर के कप्तान ने स्वयं भी आत्महत्या कर ली किन्तु खजाने को मित्र राष्ट्रों के हाथों नहीं लगने दिया लेकिन उसके बाद इस खजानों को कोई ढूंढा नहीं जा सका। कोर्सिका के निकट वाले इस खजाने की तरह से ही द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान प्रशान्त महासागर के फिलीपाइन द्वीप समूहों में अमेरिका की बड़ी मात्रा में सम्पत्ति जमा थी। यह सम्पत्ति कहीं जापानियों के हाथ न लग जाए इसलिए वह इसे डुबोने के लिए तुला हुआ था। लगभग एक करोड़ रुपये के सरकारी खजाने के नांद तो जला कर ही नष्ट कर दिए।

केंद्रीय बल के पहरे में होगी मतगणना विजय जुलूस निकालने पर प्रतिबंध

» कल होगी मतगणना, 250 कंपनी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल किए जाएंगे तैनात

» संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष नजर, पुलिस कमिश्नरेट में अतिरिक्त पुलिस बल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की सुरक्षा-व्यवस्था में लापरवाही को लेकर एक ओर जहां विपक्ष सवाल उठा रहा है तो दूसरी ओर पुलिस-प्रशासन शांतिपूर्ण मतगणना संपन्न कराने की तैयारियों में जुटा है। खास रणनीति के तहत सभी जिलों में सुरक्षा बंदोबस्त किये जा रहे हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में भी पुलिस का कड़ा पहरा रहेगा। कल केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के पहरे में मतगणना की जाएगी। वहीं विजय जुलूस निकालने पर प्रतिबंध रहेगा।

सात चरणों में सपन्न यूपी चुनाव की मतगणना कल है। यही वजह है कि डीजीपी मुख्यालय स्तर पर सभी जिलों में किये जा रहे बंदोबस्त पर सीधी नजर रखी जा रही है। एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार का कहना है कि 10 मार्च को मतगणना के लिए 250 कंपनी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल तैनात रहेगा। इसके अलावा 61 कंपनी पीएसी, 625 राजपत्रित पुलिस अधिकारी, 1807 निरीक्षक, 9598 उपनिरीक्षक, 11627 मुख्य आरक्षी व 48649 आरक्षी चप्पे-चप्पे पर मुस्तैद रहेंगे। 36 कंपनी केंद्रीय बल ईवीएम की सुरक्षा में तथा 214 कंपनी केंद्रीय बल मतगणना व कानून-व्यवस्था की ड्यूटी में मुस्तैद रहेगा। सभी जोन, रेंज व जिले के पुलिस अधिकारियों को मतगणना स्थल व उसके आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा प्रबंधों को लेकर कड़े निर्देश दिये गये हैं। साथ ही सभी संवेदनशील क्षेत्रों में भी अतिरिक्त पुलिस बल मुस्तैद रहेगा। मतगणना के बाद कहीं भी विजय जुलूस न निकाले जाने को लेकर भी कड़े निर्देश दिये गये हैं। कहीं किसी प्रकार की गड़बड़ी करने वालों से पूरी सख्ती से निपटे जाने के निर्देश दिये गये हैं।

गौरतलब है कि मतगणना 10 मार्च की सुबह आठ बजे आरंभ होगी। इसके दृष्टिगत सभी जिलों में पूरी मुस्तैदी बरते जाने के साथ ही संवेदनशील स्थानों पर गश्त बढ़ाने के निर्देश दिये गये हैं। सभी 75 जिलों व चार पुलिस कमिश्नरेट में मतगणना के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती शुरू कर दी गई है।

15465 अराजक तत्वों पर की गयी कार्रवाई

एडीजी ने बताया कि चुनाव के दौरान 15465 अराजक तत्वों को सूचीबद्ध कर उनके विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई करने के साथ ही उनकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी गई। चेकिंग में 186 अवैध शस्त्र की फैक्ट्री भी पकड़ी गईं। पुलिस ने 10277 अवैध असलहे, 232 किलोग्राम विस्फोटक व 336 बम भी बरामद किये। चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद प्रदेश में 2220 स्थानों पर नाकेबंदी कर प्रभावी चेकिंग भी कराई गई। इस दौरान 52.64 करोड़ रुपये से अधिक रकम पकड़ी गई। 6.66 लाख रुपये नेपाली मुद्रा भी पकड़ी गई। 11.72 लाख लीटर अवैध शराब भी बरामद की गई। 16207 किलो मादक पदार्थ व 256 किलो सोना-चांदी भी बरामद की गई।

उपभोक्ताओं को लग सकता महंगी बिजली का झटका

» कंपनियों ने घाटे की भरपाई के लिए शुरू की प्रक्रिया

» विद्युत नियामक आयोग में 85,500 करोड़ का प्रस्ताव किया पेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधान सभा के लिए मतदान खत्म होते ही बिजली कंपनियों ने अगले वित्तीय वर्ष के लिए बिजली दरों के निर्धारण संबंधी प्रक्रिया शुरू कर दी है। कंपनियों ने विद्युत नियामक आयोग में 85,500 करोड़ रुपये एआरआर (वार्षिक राजस्व आवश्यकता) का प्रस्ताव दाखिल किया। कंपनियों द्वारा एआरआर में 6700 करोड़ के दिखाए गए गैप की भरपाई के लिए बिजली की मौजूदा दरों में इजाफा किया जा सकता है। हालांकि, कंपनियों ने एआरआर के साथ आयोग में संबंधित टैरिफ प्रस्ताव दाखिल नहीं किया है। माना जा रहा है कि नई सरकार का रुख देखकर ही बिजली की दरों के संबंध में कंपनियां आगे कदम बढ़ाएंगी।

वैसे तो अगले वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए बिजली की दरों के संबंध में कंपनियों को 30 नवंबर तक ही विद्युत नियामक आयोग में एआरआर प्रस्ताव दाखिल कर देना चाहिए था लेकिन चुनाव के कारण ऐसा नहीं किया गया जिससे उसकी रेटिंग खराब हो रही थी। मतदान की प्रक्रिया पूरी होते ही बिजली कंपनियों ने एआरआर सहित ट्रू-अप वर्ष 2020-21 और एनुअल परफार्मेंस रिव्यू (एपीआर) वर्ष 2021-22 को आयोग में दाखिल कर दिया। तकरीबन 85,500 करोड़ रुपये का एआरआर दाखिल करने वाली बिजली कंपनियां अगले वित्तीय वर्ष में प्रदेशवासियों को बिजली आपूर्ति के लिए 65 हजार करोड़ रुपये से लगभग 1.20 लाख मिलियन यूनिट(एमयू) बिजली खरीदेंगी। आयोग को प्रस्ताव स्वीकार करने की तिथि से 120 दिनों के अंदर एआरआर पर निर्णय करना होता है। ऐसे में बिजली की दरों में इजाफे के प्रस्ताव को अगर नई सरकार हरी झंडी देती भी है तो जून के बाद ही उस पर अमल हो सकता है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि नयी सरकार से बिजली दरों में कमी की मांग की जाएगी।

वाराणसी में युवक की हत्या से सनसनी, दोस्तों पर आरोप

» शराब पार्टी के दौरान धारदार हथियार से किया गया मर्डर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। लंका थाना क्षेत्र में देर रात शराब पार्टी के दौरान हुए विवाद में एक युवक को चाकुओं से गोदकर मार डालने की घटना सामने आने के बाद पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। इस मामले में पुलिस ने रात में शराब पार्टी के दौरान साथ में मौजूद एक साथी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दिया है। स्वजनों ने दोस्तों पर हत्या का आरोप लगाया है।

लंका थाना क्षेत्र के लौटूबीर मंदिर के पास शराब पार्टी के दौरान युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटनास्थल पर पहुंचे मृतक के परिवार वालों ने दोस्तों पर हत्या का आरोप लगाया है। गौरतलब है कि लंका थाना क्षेत्र के सामनेघाट, मदरवां का रहनेवाला श्रवण राजभर मंगलवार की रात आठ बजे अपने दोस्तों के साथ घर से निकला था। मृतक के बहनोई अजीत राजभर ने बताया कि गले व पेट में चाकू मारकर हत्या की जानकारी सामने आई है। श्रवण को पार्टी के बहाने ले जाकर दोस्तों ने ही मार डाला। इसके पहले किसी तरह के विवाद से परिजनों ने इनकार किया है।

चुनाव नतीजों से पहले मायावती ने भतीजे को दी अहम जिम्मेदारी

» लोक सभा चुनाव की अभी से शुरू की तैयारी, आकाश आनंद राष्ट्रीय कोऑडिनेटर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती यूपी विधान सभा चुनाव नतीजे आने से पहले ही 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई हैं। मायावती ने इसके लिए बसपा में राष्ट्रीय स्तर पर नए सिरे से जिम्मेदारियां तय की हैं। बसपा सुप्रीमो ने इसके तहत अपने भाई आनंद कुमार और भतीजे आकाश आनंद को अहम जिम्मेदारियां दी हैं। बसपा में राष्ट्रीय स्तर पर अब बस एक कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद रहेंगे। रामजी गौतम को इस पद से हटा दिया गया है। वहीं राष्ट्रीय महासचिव की संख्या 5 से बढ़ाकर 6 कर दी गई है।

बसपा सुप्रीमो ने लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय कोर कमेटी की दो दिवसीय बैठक में यह फैसला लिया। पार्टी के मुताबिक, वर्ष 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव के मद्देनजर देश के सभी राज्यों को 7 सेक्टर्स में बांटा गया है। हर सेक्टर के अलग-अलग प्रभारी बनाए गए हैं जो सीधे मायावती को रिपोर्ट करेंगे। बसपा ने रामजी गौतम, सांसद अशोक सिद्धार्थ, धर्मवीर अशोक, रणधीर सिंह बेनीवाल, दिनेश चंद्रा, सुबोध कुमार और लालजी मेधंकर को अलग-अलग राज्यों का प्रभारी बनाया है। राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय के लिए भतीजे आकाश आनंद काम करेंगे। आकाश राष्ट्रीय स्तर की समस्याओं पर नजर रखेंगे और बसपा सुप्रीमो के निर्देश पर काम करेंगे।

सरकारी नौकरी का झांसा देकर शिक्षिका से दुष्कर्म करता रहा प्रधानाचार्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फर्रुखाबाद। प्रधानाचार्य ने अस्थायी रूप से कार्यरत शिक्षिका से सरकारी नौकरी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। गर्भवती होने पर शादी का दबाव बनाया तो इंकार कर दिया। एसपी के आदेश पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

कंपिल थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने एसपी को बताया, वह एक इंटर कालेज में अस्थायी रूप से 2015 से पढ़ा रही थी। इस दौरान कालेज के प्रधानाचार्य ने स्थायी रूप से नौकरी लगवाने का लालच देकर 15 लाख मांगे। तीन लाख दिए और बाकी बाद में देने की बात तय हुई। इसके कुछ दिन बाद प्रधानाचार्य ने उसे अपने कमरे पर बुलाया। नशीला पदार्थ डालकर चाय पिला दी। चाय पीने से बेहोश होने पर उसके साथ दुष्कर्म कर वीडियो बना लिया। विरोध पर उसने वीडियो वायरल करने व नौकरी से निकलवाने की धमकी दी।

एग्जिट पोल के बाद भी बदल जाते हैं परिणाम

एग्जिट पोल के बाद से सट्टा बाजार भी गर्म, 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 24 घंटे शेष है परिणाम आने में। सरकार किसकी बनेगी इसका काउंटडाउन शुरू हो चुका है। एग्जिट पोल सामने आ चुके हैं। वहीं एग्जिट पोल के सामने आने के बाद से ही सट्टा बाजार में भी गर्मी दिखाई दे रही है। अब कल क्या एग्जिट पोल सही साबित होंगे या चौकाएंगे। इसी विषय पर वरिष्ठ पत्रकार श्रवण गर्ग, एनके सिंह अम्बरीश कुमार, सतीश के सिंह, शीतल पी सिंह, विकास जैन, अभिषेक कुमार, उमाशंकर दुबे और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के साथ चली लंबी परिचर्चा में।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

श्रवण गर्ग ने कहा परिणाम बदलते रहते हैं परिस्थितियों की तरह अगर एग्जिट पोल हम नकारते हैं तो ये शर्म नहीं होनी चाहिए। सातवें चरण की सीटें एग्जिट पोल में शामिल नहीं की गई, मेरा ऐसा मानना है। भाजपा के पास कार्यकर्ता नहीं है, गुजरात से लाएं गए। एग्जिट पोल में अगर सरकार बन रही तो इसमें नई बात नहीं। सत्ता पक्ष की ही ज्यादातर सरकार बनती मगर परिणाम अक्सर बदल जाते हैं। अम्बरीश कुमार ने कहा कि पहले माहौल बनता है तो वही है। सारे के सारे एग्जिट पोल बीजेपी को जिता रहे। मगर इसकी तहकीकात तभी होगी जब परिणाम आएंगे। तब तक परिणाम का इंतजार करना चाहिए। सतीश के सिंह ने कहा लाभार्थियों ने बीजेपी को वोट दिया लेकिन जो बाकी मुद्दे हैं वो भारी होंगे। भाजपा सरकार बना लेगी, मगर अखिलेश ने जो कहा जनता चुनाव लड़ रही। तो जनता ही दस मार्च को तय करेगी क्या सही क्या गलत। शीतल पी सिंह ने कहा एग्जिट पोल से एक टेंड नजर आता है कि किस तरफ रुझान है। आसपास परिणाम होता है मगर ज्यादातर परिणाम सही नहीं निकले, कुछ सही भी निकले। बंगाल का पोल पूरे देश ने देखा।

उमाशंकर दुबे ने कहा, आंकड़े एग्जिट पोल के चौंकाने वाले हैं। अब इसमें बीजेपी का ग्राफ गिरा और सपा का बढ़ा तो इसकी चर्चा कोई नहीं कर रहा। सर्वे किस आधार पर है, ग्राउंड रियलिटी क्या है ये तो कल ही साफ होगा। एनके सिंह ने कहा, घी खाना हार्ट के लिए अच्छा है, नया रिसर्च है। लिहाजा साइंस डेवलेप है। इसी तरह कल परिणाम बदल जाए एग्जिट पोल के तो क्या होगा। अगर एग्जिट पोल सही है तो हम जो 45 साल से पत्रकारिता में है, क्या हमारे लिए गलत नहीं होगा। विकास जैन और अभिषेक कुमार ने भी कहा कि एग्जिट पोल बंगाल, बिहार का सबने देखा, परिणाम क्या रहा। ठीक इसी तरह कुछ घंटों का इंतजार करें, सब सामने आ जाएगा।

झल्लाहट छुपाने को गलत करवाए गए एग्जिट पोल के नतीजे

आनंद सिंह

» पीएम-सीएम के बीच के रिश्ते ठीक नहीं

» कार्यकर्ताओं में आपसी समन्वय का घोर अभाव

पहले तीन चरणों में गठबंधन को मिलेगी 100 सीटें

एक्जिट पोल में बताया गया है कि पहले, दूसरे और तीसरे चरण में जिन क्षेत्रों में मतदान हुआ, वहां भाजपा कोई डेढ़ सौ के करीब सीटें पा रही हैं। अगर प्रदेश की राजनीति की थोड़ी भी समझ है, जानकारी है तो पता होगा कि इन तीन चरणों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जो वोटिंग हुई, उनमें जाटों, मुसलमानों और यादवों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। मूलतः जाट और मुसलमान भाजपा को वोट नहीं देने का मूड बना चुके थे और हमारी जानकारी भी यही कहती है कि उन इलाकों में गठबंधन को जम कर वोट पड़े हैं। माना जा रहा था कि इस गठबंधन को पहले तीन चरणों में ही 100 के करीब सीटें मिल जाएंगी लेकिन एग्जिट पोल में तो इस गठबंधन को सीधे-सीधे हाशिए पर ही डाल दिया।

लखनऊ। दो दिन पहले दर्जन भर से ज्यादा एग्जिट पोल आए। एक-दो को छोड़ कर सभी ने यही उम्मीद जताई कि उत्तर प्रदेश में फिर से भाजपा की सरकार बनेगी। आप जब इस खबर को पढ़ेंगे, उसके चंद घंटे बाद ही उत्तर प्रदेश समेत पांचों राज्यों के चुनाव परिणाम देने की तैयारियां जोरों पर होंगी। कल यानी गुरुवार को यह परिणाम आ जाएगा। वैसे, इन एग्जिट पोल्स को लेकर देश भर में अलग-अलग धारणाएं हैं। ज्यादातर लोग इसे गलत मान रहे हैं।

कुछेक सवालात हैं। इनका जवाब आप खोज लेंगे तो आपको समझ में आ जाएगा कि प्रदेश में भाजपा की क्या स्थिति है। सरकार किसकी बननी है। याद करें, प्रधानमंत्री मोदी आखिरी चरण के चुनाव के वक्त चार दिन तक बनारस में थे। बनारस में उन्होंने रुद्राभिषेक किया, भाषण दिया, डमरू बजाया, रोड शो किया। लेकिन, इन चार दिनों में योगी कहां थे, ये आपने कभी जानने की कोशिश की। देश का प्रधानमंत्री चार दिनों तक अपने संसदीय क्षेत्र में रहता है और जिस संसदीय क्षेत्र में रहता है, उस सूबे का मुख्यमंत्री उसके पास नहीं होता। ये आपको कहीं से खटकता है या नहीं। बनारस के पहले, बस्ती का उदाहरण देता हूं। बस्ती में प्रधानमंत्री थे। प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री थे। केंद्रीय मंत्री थी। नहीं थे तो योगी।

बताया गया कि वह देवरिया में हैं। प्रधानमंत्री देवरिया में उनके साथ मंच शेयर करेंगे। सवाल यह है कि बस्ती में प्रधानमंत्री थे तो मुख्यमंत्री को उनके साथ मंच शेयर करने में क्या दिक्कत थी। वह भी तब, जब प्रधानमंत्री सभा कर रहे हों। वह भी चुनावी सभा। पूरे गोरखपुर में प्रधानमंत्री की तस्वीर वाली पोस्टर लगती है। उसमें पहले प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री, दोनों थे। फिर एकाएक ऐसा क्या हो गया कि मुख्यमंत्री की तस्वीर को हटा दिया गया और अकेले प्रधानमंत्री की तस्वीर लगाई गई। वह भी पूरे गोरखपुर में। गोरखपुर सदर के प्रत्याशी का प्रधानमंत्री के साथ गोरखपुर में ही फोटो न हो तो यह सामान्य बात नहीं कही जा सकती। यह हकीकत है कि गोरखपुर के ही 9 विधानसभा सीटों में एक भी सीट ऐसी नहीं है जो भाजपा बिना किसी मुकाबले के जीत ले। यहां तक कि जिस गोरखपुर शहर सीट से मुख्यमंत्री स्वयं चुनाव लड़ रहे हैं, उस सीट को भी बहुत आसानी से नहीं जीता जा सकता। उन्हें सपा प्रत्याशी सुभावती शुक्ला कड़ी टक्कर दे रही हैं। हार-जीत का जो भी अंतर होगा, वह कल पता चल ही जाएगा। दरअसल, पिपराईच, खजनी, बांसगांव, चिल्लूपार, गोरखपुर ग्रामीण के नतीजे लोगों को चौंकाएंगे। इसका फीडबैक मुख्यमंत्री को है। कहते हैं, प्रधानमंत्री को भी है। न सिर्फ इन चार-पांच सीटों का वरन पूरे 403 सीटों का। सातवें चरण में जो वोटिंग हुई है, वह भी चिंता का एक कारण है। 2022 का यह पहला चुनाव है, जब एग्जिट पोल के पहले कुछ दमदार अखबारों ने इस आशय की खबर छापी थी कि एग्जिट पोल में खेल हो सकता है, इसे भाजपा मैनेज कर सकते हैं। दो रोज पहले जो एग्जिट पोल के परिणाम आए हैं, वह यह बताने के लिए काफी हैं कि दर्शकों के साथ एग्जिट पोल के परिणाम ने क्या किया है।

पोस्टल बैलट से सपा और भाजपा को उम्मीदें

» पौने तीन लाख से अधिक मतदाताओं ने भेजा सत्ता का संदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव में कोरोना संक्रमण के कारण भारत निर्वाचन आयोग ने बुजुर्ग, दिव्यांग एवं आवश्यक सेवाओं के कर्मियों को पोस्टल बैलट की सुविधा दी तो 3.75 लाख से अधिक मतदाताओं ने इसके जरिए सत्ता का संदेशा पूरे उत्साह से भेज दिया। वह किस दल की सत्ता चाहते हैं, यह तो मतगणना के दिन ही पता चलेगा, लेकिन इस वर्ग में शामिल मतदाताओं के लिए की गई घोषणा और प्रयासों से भाजपा और सपा दोनों को ही आस है। दोनों ही दल करीबी मुकाबले वाली सीटों पर पोस्टल बैलेट वाले 3.75 लाख मत बढ़त दिलाने में मददगार मान रहे हैं।

चुनाव आयोग ने 80 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग, दिव्यांगजन व आवश्यक सेवाओं के कर्मियों को पोस्टल बैलट से मतदान की प्रदेश में पहली बार सुविधा दी तो इसमें 3,75,708 वोट पड़ गए। भाजपा को जहां इस श्रेणी के मतदाताओं से वृद्धावस्था व दिव्यांगजन पेंशन की धनराशि बढ़ाने के साथ ही अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने की उम्मीद है तो वहीं, सपा को भी घोषणा पत्र में किए गए वादे में पेंशन की धनराशि बढ़ाने व सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन बहाली की घोषणा से बहुत आस है। चूंकि मतगणना में सबसे पहले पोस्टल बैलट ही गिने जाते हैं इसलिए दोनों ही दलों को इसमें बढ़त मिलने की आस है। इस बार 3,01,190 सर्विस मतदाताओं को भी इलेक्ट्रानिक फार्म में मत पत्र भेजे गए हैं। इनमें से कितने मतदाताओं ने वोट दिया, इसका पता 10 मार्च को मतगणना के दिन चलेगा। वर्ष 2017 में 2,79,032 सर्विस मतदाताओं ने मतदान किया था। इन मतों से भी दोनों को बड़ी उम्मीद है।

मतगणना को लेकर कल बंद रहेंगी शराब की दुकानें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सात चरणों में 403 विधानसभा सीटों के लिए हुए चुनाव का परिणाम कल आएगा। भारत निर्वाचन आयोग ने मतगणना की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सभी 75 जिलों में 403 विधानसभा सीटों की मतगणना सुबह आठ बजे से शुरू होगी।

मतगणना के दौरान शराब और मादक पदार्थ की दुकानों को बंद कर दिया जाएगा। यह आदेश प्रदेश के सभी जिलों को जारी कर दिए गए हैं। यह आदेश सभी शराब की दुकान के मालिकों को जारी कर दिया गया है। मतगणना के बाद जीत-हार की खुशी और दुख में समर्थक शराब पीते हैं, जिसके चलते मतगणना के बाद झगड़े होते हैं। इसी को लेकर निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतगणना के दिन दुकान बंद रहेंगी।

यूपी में अखिलेश सरकार ही बनेगी: तेजस्वी यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा यूपी में भाजपा सरकार की विदाई तय है। वहां योगीजी जाने वाले हैं और अखिलेश आने वाले हैं। गोवा और उत्तराखंड में कांग्रेस की सरकार बनेगी। हां, पंजाब में कड़ा मुकाबला है लेकिन भाजपा मुकाबले में नहीं दिख रही।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में जनता ने रिजल्ट दे दिया है। अब बस औपचारिकता बाकी है। लोगों में सरकार के प्रति जो आक्रोश दिखा उससे स्पष्ट है कि योगी जी की सरकार जाने वाली है। नेता प्रतिपक्ष ने ट्वीट कर भी सरकार पर हमला बोला है।

सपा में फिर सेंध लगाने की तैयारी में भाजपा

विधान परिषद चुनाव से पहले कुछ एमएलसी भाजपा में हो सकते हैं शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान परिषद की स्थानीय निकाय क्षेत्र की 35 सीटों के चुनाव के लिए भाजपा ने सपा में सेंध लगाने की तैयारी की है। स्थानीय निकाय क्षेत्र से सपा के कुछ और एमएलसी आगामी दिनों में भाजपा में शामिल हो सकते है। विधान चुनाव के नतीजों के बाद तोड़फोड़ का सिलसिला शुरू होगा।

विधान परिषद की 35 सीटों के चुनाव के लिए 15 मार्च को अधिसूचना जारी होगी। 22 मार्च तक नामांकन दाखिल किए जाएंगे और 9 अप्रैल को मतदान होगा। भाजपा ने एमएलसी चुनाव के लिए करीब तीन महीने पहले से तैयारी शुरू कर दी थी। इसके लिए पार्टी ने सपा के स्थानीय निकाय क्षेत्र के मौजूदा सपा एमएलसी सीपी चंद, रविशंकर सिंह पप्पू, घनश्याम सिंह लोधी, नरेंद्र सिंह भाटी, रमेश मिश्र, रमा निरंजन, शैलेंद्र प्रताप सिंह और जसवंत सिंह को भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई। वहीं कांग्रेस के एमएलसी दिनेश प्रताप सिंह और निर्दलीय विशाल सिंह चंचल पहले ही भाजपा में शामिल हो चुके है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक 35 में से 10 सीटों पर सपा और कांग्रेस से आए मौजूदा परिषद सदस्यों को फिर टिकट देना तय है। जबकि शेष 25 सीटों पर प्रत्याशी चयन के लिए पार्टी ने मशक्कत शुरू कर दी है। सपा खेमे में बचे स्थानीय निकाय क्षेत्र के अधिकांश सदस्यों में यादव और मुस्लिम है। भाजपा के नेताओं ने यादव सदस्यों को तोड़ने का प्रयास शुरू किया है। 10 मार्च को विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद तय होगा कि भाजपा का प्रयास रंग लाएगा या नहीं।

20 सीटों पर कैडर को चुनाव लड़ाने की तैयारी

सूत्रों के मुताबिक करीब 20 सीटों पर पार्टी अपने ऐसे कार्यकर्ताओं को मौका देगी, जिन्हें विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिल सका है। पार्टी के लोगों का मानना है कि प्रदेश में भाजपा की दोबारा सरकार बनने पर कैडर के कार्यकर्ताओं को चुनाव जिताने में ज्यादा परेशानी नहीं होगी। इनमें कुछ पार्टी पदाधिकारियों को भी मौका दिया जा सकता है।

गठबंधन से घबरा गई भाजपा, सपा के पक्ष में ही आएगा परिणाम : राजभर

» हताश होकर ईवीएम में की जा रही गड़बड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2022 की मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब ईवीएम को लेकर हंगामा मचा हुआ है। सपा और उसके सहयोगी दलों ने ईवीएम की हैंडलिंग को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। इसे लेकर सपा प्रत्याशियों और कार्यकर्ताओं ने वाराणसी समेत प्रदेश के कई जिलों हंगामा और धरना प्रदर्शन किया।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने कहा है कि हमारे गठबंधन से भाजपा घबरा गई है। भाजपा ईवीएम में हेरफेर कर रही है। हमारे लोग सतर्क हैं, मतगणना स्थल की किलेबंदी कर दी है। ओपी राजभर ने कहा कि वाराणसी में तीन गाड़ियां ईवीएम लेकर निकली हैं और ये बिना किसी को सूचित किए किया गया है। चुनाव आयोग की गाइडलाइन के मुताबिक उम्मीदवार को बिना बताए और बिना फोर्स के ईवीएम को कहीं नहीं ले जाया जा सकता है, लेकिन उसे ढककर ले जाया गया है। ये घटना दर्शा रही है कि भाजपा हताश होकर फर्जी तरीके से गड़बड़ी कर रही है। हमने इसकी शिकायत आयोग को दी है।

संसद का बजट सत्र का दूसरा चरण 14 से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सामान्य रूप से चलेगा। कोरोना संकट से निकलने के बाद यह पहला मौका है, जब बैठकें सामान्य रूप से चलेंगी। आगामी 14 मार्च से शुरू होने वाले बजट सत्र के दोनों सदनों की सभी दीर्घाओं का उपयोग पहले की तरह से किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की संयुक्त बैठक में दोनों सदनों की बैठकों के बंदोबस्त पर विशेष चर्चा हुई। इस बैठक में दोनों सदनों के महासचिवों ने देश में कोविड की तीसरी लहर के लगभग समाप्ति की ओर बढ़ने और टीकाकरण के व्यापक कवरेज के संदर्भ में विशेष तौर पर विचार-विमर्श किया गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।